झांकी रे झरोखे बैठी लाडली जनक की भजन लिरिक्स

झांकी रे झरोखे बैठी,
लाडली जनक की।bd।

राजा अनेक आए,
एक से एक आए,
अब विचारे देखो,
धनुष तोड़न की,
झाकी रे झरोखे बैठी,
लाडली जनक की।bd।

चार जनी आगे पीछे,
पुष्प माला हाथ लेके,
बीच में समाए बैठे,
छोटे से रामजी,
झाकी रे झरोखे बैठी,
लाडली जनक की।bd।

सीता जी अर्ज हमारी,
जनक लली रहेगी ख्वारी,
अब छोड़ो ना पिताजी,
हठ धुनुष तोड़न की,
झाकी रे झरोखे बैठी,
लाडली जनक की।bd।

कहते हैं तुलसी दास,
राम और लक्ष्मण साथ,
तोड़ेंगे धनुष जैसे,
लकड़ी इंधन की,
झाकी रे झरोखे बैठी,
लाडली जनक की।bd।

झांकी रे झरोखे बैठी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Upload By – Manoj Kumar
9785854944

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com